

फर्द अहकाम

प्रजायक कलकत्ता
जामेर मु. जयपुर

नाम बनाम ओम

ख्या / वर्ष : 5 / 20 21

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
01/3/2021	<p>पत्रावली प्रस्तुत। अधिवक्ता अपयम आस्थिता प्रतिवादी सं. एक तथा 4 की ओर अधिवक्ता की आदेशों- बाण्डा की 4 दिनांक 1/3/2021 के, एक प्रार्थनापत्र अंतर्गत आदेश 7 दिनांक 14 प्रस्तुत आदेश 2 दिनांक 2 एतद्वारा 151 CPC प्रस्तुत कर वादपत्र को विधि विरुद्ध होने के कारण अस्वीकार कर खारिज क्रिये जाने का निवेदन प्रस्तुत किया है। प्रार्थनापत्र की प्रति अधिवक्ता वादी को दिनांक 08/03/2021 को द्वारा प्रार्थनापत्र का जवाब प्रस्तुत कर प्रतिवादी पक्ष को प्रार्थनापत्र विधि अज्ञान नही होने के कारण प्रार्थनापत्र को मप हल किया खारिज क्रिये जाने का निवेदन किया है। प्रार्थनापत्र के बारे में उदाहरण की वस्तु सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। वादी द्वारा दस्तगत वाद में ग्राम नांगल सिरस 190 जामेर की ख. न. 442, 443, 444, 445, 446 ^{किता} 7 कुल दलबल 2.57100 के बारे में विभाजन एवं</p>	

प्रजायक कलकत्ता
जामेर मु. जयपुर



क्र. सं.

दिनांक आज्ञा
या कार्यवाही

स्थायी निवेशकों का अनुसूचि चार्ज
गया है। उपस्थित प्रतिवादी की ओर
से उक्त चार्जगत के साथ संबन्धित
दस्तावेजों के द्वारा अनुसूचि से स्पष्ट
है कि समान वादी द्वारा पूर्व में
समान आराजीपात के बारे में उक्त
अन्य वाद सं. 79/2019 व उतवारी
गायु व अन्य जमान दागु सं अ-4
न्यायालय दाजा के समक्ष ही
उक्त किया गया था जिसे न्यायालय
दाजा द्वारा 7.11.2019 को देखा
कर निरस्तारित कर दिया गया था।
न्यायालय के निर्दिष्ट दिनांक 7.11.19
के विरुद्ध एक निश्चित अपील
आज दिवस को सक्षम न्यायालय
के समक्ष विचाराधीन है। इसी स्थिति
में वादी द्वारा समान आराजीपात
के बारे में दूसरा नया उभरण
न्यायालय दाजा के समक्ष उक्त
किया गया है जो कि वक्त न्यायालय
के मत में विधि अनुसूचि नहीं है।
उपस्थित प्रतिवादी द्वारा दस्तावेज
परमातकी वाद को विधि अनुसूचि
नहीं होने के कारण खारिज किये
जाने का निवेदन उक्त किया
गया है किंतु वक्त न्यायालय के

सहायक कलक्टर
जायपुर

फर्द अहकाम


पालय सिभायक कलक्टर
जयपुर

नाम बनाम श्री

क्रमा संख्या / वर्ष : 05 / 20 21

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>मत में समान आवाजीपात के विषय में समान अनुतोष बाबत उक्त दस्तावेज पर्याप्तता वाद को धारा 10 CPC के अधिन के तहत अधिसूचित कर देना आवश्यक (श्री) किया जाना विधि है। अतः उक्त उपस्थित प्रतिवादीगत का धारणा दिनांक 4.3.2021 आदेश रूप से स्वीकार किया जाकर दस्तावेज पर्याप्तता वाद की अधिसूचित कार्रवाई को धारा 10 CPC के तहत स्थगित किया जाकर उक्त को बस स्तर पर फिलहाल श्रुमात किया जाकर दाखिल दस्तावेज किया जाना है। पर्याप्तता वाद में आवश्यक होने पर अधिसूचित कार्रवाई संयोजित किये जाने हेतु निवेदन उक्त को बाबत विधि अनुसूचक संवत् 2021 अतः उक्त धारणा फिलहाल श्रुमात लोक संयोजन मूल पर्याप्तता रहे। 1997 के मुकदमा नं०</p>	

सिभायक कलक्टर
जयपुर

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p> पर अखिर कारिवाई स्थगत बाबत नीचे अंकित बिधा जाल। यत्रावली का कोई भाग - न्यायालय की उपस्थिति के बिना नोट बंद किया जाल। आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया। </p> <p style="text-align: right;">  राज्यक कलक्टर जयपुर </p>